Gauge conversion from Fakiragram to Dhubri

*520. SHRI URKHAO GWRA BRAHMA : Will the Minister of RAILWAYS be pleased to state :

(a) whether conversion of Metre Gauge to Broad Gauge is already sanctioned from Fakiragram to Dhubri of Assam:

(b) if so. reasons for not executing the work; and

(c) the stipulated time, if any, to execute the same?

THE MINISTER OF RAILWAYS (SHRI NITISH KUMAR): (a) to (c) A Statement is laid on the Table of the Sabha.

Statement

(a) Yes. Sir.

(b) and (c) Gauge conversion of Fakiragram-Dhubri is a part of New Jalpaiguri/Silliguri-New Bongaigaon gauge conversion project. The project is being implemented in phases and conversion of rail line from New Jalpaiguri to New Bongaigaon is in progress in first phase. The conversion of this section has been planned to be taken up provided the Slate Government gives security clearance. Because of security reasons, no Metre Gauge trains are being run on this section at present.

SHRI URKHAO GWRA BRAHMA : Sir. in his reply, the hon. Minister has stated that the gauge conversion project under New Jalpaiguri-Silliguri-Ncw Bongaigaon is being implemented in phases. But, due to some security reasons, the project has not been able to start on the Fakiragram-Dhubri section. I would like to know from the hon. Minister: what are the security problems and what are the national security threats'.' May I know from the hon. Minister whether the Government is contemplating any Strategy to counter that security threat? May I also know whether there is any time-frame to start that work?

श्री नीतीश कुमार :सभापति जी, माननीय सदस्य ने पूछा है कि क्या सिक्योरटी थ्रेट हैं? यह 8 सिंतम्बर, 2000 का वाक्या हैं जब इस मीटर गेज सैक्शन में रेलगाड़ी का परिचालन बंद हो गया। अनप्रोवोक्ड फायरिंग इन्सिडेंट में तीन रेलकर्मियों की हत्या कर दी गई थी और तीन गंभीर रूप से घायल हुए थे। इसके बाद से सच्तग्राम से आगे जो फकीराग्राम से लगभग आठ किलोमीटर की दूरी पर हैं, यहां ट्रेन का परिचालन भी रोक दिया है। वहां पर सिक्योरिटी थ्रेट हैं, इसे लेकर रेलवे लाइन ।

की परियोजना पर हम जो काम प्रारंभ करना चाहते हैं वह नहीं हो पा रहा हैं। मुझें माननीय सदस्य और सभी का सहयोग चाहिए। रेलवे की तरफ से राज्य सरकार को लिखा भी गया हैं। जैसे ही राज्य सरकार हमें सुरक्षा की गांरटी देगी, सिक्योरिटी क्लीयरेंस देगी, हम इस रेल खण्ड पर इसके गेज कन्वर्जन का कार्य प्रांरभ करने के लिए तैयार हैं।

MR. CHAIRMAN : Arc you satisfied?

SHRI URKHAO GWRA BRAHMA : I am satisfied;

श्री सभापति : ऑनरेबल मेम्बर्स, क्वैश्चंस सब हो गए हैं, मैं रिपीट कर रहा हूं। क्वैश्चन नं. 503, श्रीमती माया सिंह।

इन्दौर और रतमाल के बीच रेल पटरी को बदला जाना

*503. **श्री कैलाश जोशी** :क्या रेल मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार वर्ष 2004 में उज्जैन में होने वाले कुम्भ के मेले को दृष्टिगत रखते हुए इन्दौर-देवास, उज्जैन और रतलाम के बीच की सिंगल रेल पटरी को बदलने का विचार रखती हैं,और

(ख) यदि हां,तो नई रेल पटरी कब तक चालू हो जाने की संभावना हैं?

रेल मंत्री (श्री नीतीश कुमार) : (क) और (ख) एक विवरण सभा पटल पर रख दिया गया हैं।

विवरण

(क)रेल की मरम्मत और उसका अनुरक्षण एक सतत् चलने प्रक्रिया है। रेल लाइनों की दशा पर निरंतर रखी जाती हैं और संरक्षा को सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक कार्रवाई की जाती हैं। नियमित अनुरक्षण के अलावा आयु एवं दशा के आधार पर रेलपथ नवीकरण की योजना बनाई जाती हैं और इसे धन की उप्लब्धता के आधार पर कार्यान्वित किया जाता हैं।

इन मानदंडो के अनुसार, न कि कुभं मेले से संबंधित, 1-4-2003 की स्थिति के अनुसार इन्दौर-देवास-रतलाम खंड पर रेलपथ नवीकरण का 35.28 कि.मी. स्वीकृत भाग शेष बचा हुआ हैं।

(ख)इन्दौर-देवास-उज्जैन-रतलाम खंड में शुरू किए जाने वाला कोई नया रेलपथ नहीं हैं। बहरहाल, इस क्षेत्र में जनवरी,2003 में देवास और मक्सी के बीच 36 कि.मी.लंबी एक नई रेल लाइन शुरू की गई थी।